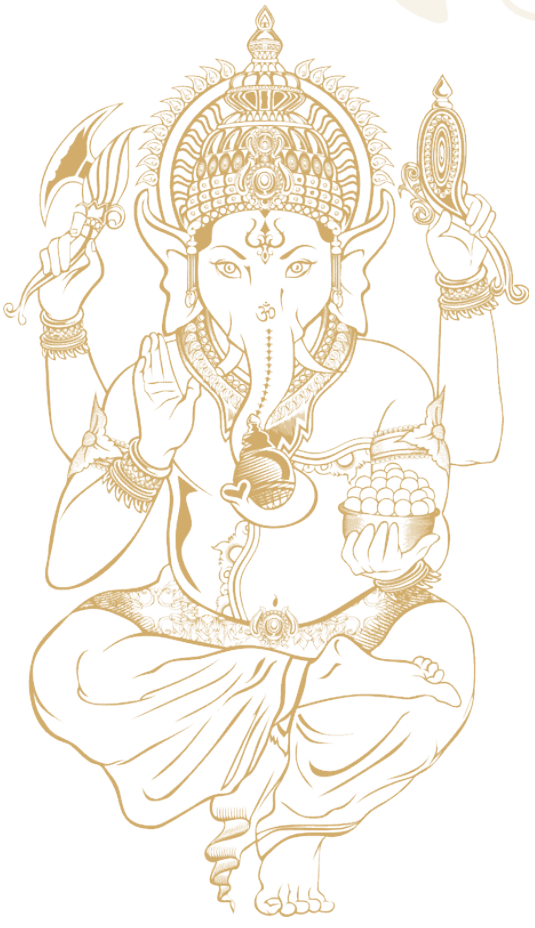

Mr. Gochar

05 Dec 2025

12:28 PM

Jabalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120429406

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/12/2025**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:28:00 घंटे**
इष्ट	14:35:46 घटी
स्थान	**Jabalpur**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:10:00 उत्तर
रेखांश	79:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:17:48 घंटे
वेलान्तर	00:09:23 घंटे
साम्पातिक काल	17:15:08 घंटे
सूर्योदय	06:37:41 घंटे
सूर्यास्त	17:24:10 घंटे
दिनमान	10:46:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:10:08 वृश्चिक
लग्न के अंश	20:51:26 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	साध्य
करण	बालव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वे-वेद
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	20:51:26	475:15:04	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
सूर्य			वृश्चि	19:10:08	01:00:52	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	23:46:40	15:17:32	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	वृश्चि	28:15:51	00:44:43	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध			तुला	28:51:40	00:46:55	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
गुरु	व		कर्क	00:00:57	00:04:33	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			वृश्चि	11:22:21	01:15:27	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
शनि			मीन	00:58:59	00:00:46	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	19:26:49	00:11:28	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	19:26:49	00:11:28	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:39:24	00:02:24	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप	व		मीन	05:09:35	00:00:11	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:46:40	00:01:23	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			वृश्चि	25:28:11	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:13

लग्न-चलित

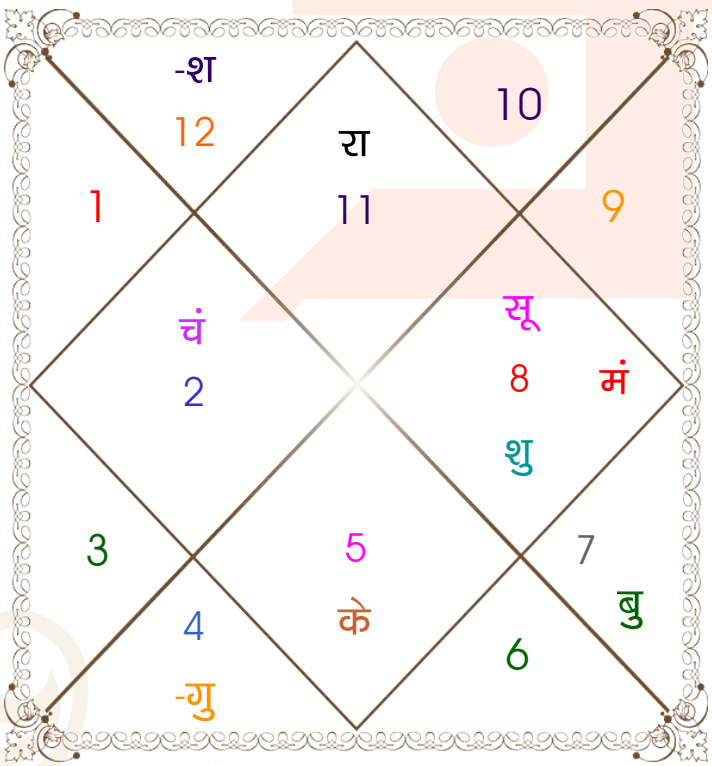

चन्द्र कुंडली

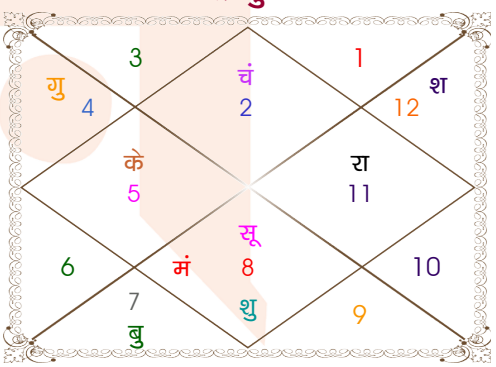

नवमांश कुंडली

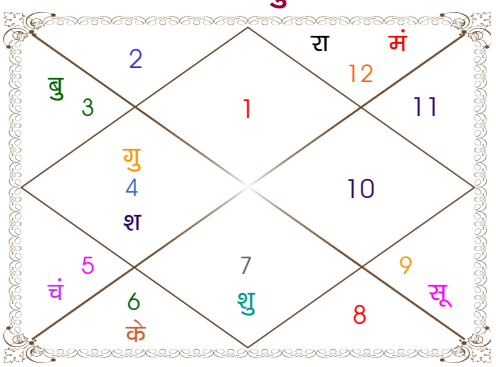

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 9 मास 6 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
05/12/2025		11/09/2032		11/09/2050		11/09/2066		11/09/2085	
11/09/2032		11/09/2050		11/09/2066		11/09/2085		12/09/2102	
मंगल	07/02/2026	राहु	25/05/2035	गुरु	29/10/2052	शनि	14/09/2069	बुध	07/02/2088
राहु	25/02/2027	गुरु	17/10/2037	शनि	13/05/2055	बुध	24/05/2072	केतु	04/02/2089
गुरु	01/02/2028	शनि	23/08/2040	बुध	17/08/2057	केतु	03/07/2073	शुक्र	06/12/2091
शनि	12/03/2029	बुध	13/03/2043	केतु	24/07/2058	शुक्र	01/09/2076	सूर्य	11/10/2092
बुध	09/03/2030	केतु	30/03/2044	शुक्र	24/03/2061	सूर्य	14/08/2077	चंद्र	12/03/2094
केतु	06/08/2030	शुक्र	31/03/2047	सूर्य	11/01/2062	चंद्र	16/03/2079	मंगल	10/03/2095
शुक्र	06/10/2031	सूर्य	23/02/2048	चंद्र	13/05/2063	मंगल	24/04/2080	राहु	26/09/2097
सूर्य	10/02/2032	चंद्र	24/08/2049	मंगल	17/04/2064	राहु	28/02/2083	गुरु	02/01/2100
चंद्र	11/09/2032	मंगल	11/09/2050	राहु	11/09/2066	गुरु	11/09/2085	शनि	12/09/2102

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/09/2102		12/09/2109		12/09/2129		12/09/2135		12/09/2145	
12/09/2109		12/09/2129		12/09/2135		12/09/2145		00/00/0000	
केतु	08/02/2103	शुक्र	11/01/2113	सूर्य	30/12/2129	चंद्र	13/07/2136	मंगल	06/12/2145
शुक्र	09/04/2104	सूर्य	12/01/2114	चंद्र	01/07/2130	मंगल	11/02/2137		00/00/0000
सूर्य	15/08/2104	चंद्र	12/09/2115	मंगल	06/11/2130	राहु	13/08/2138		00/00/0000
चंद्र	16/03/2105	मंगल	11/11/2116	राहु	01/10/2131	गुरु	13/12/2139		00/00/0000
मंगल	12/08/2105	राहु	12/11/2119	गुरु	19/07/2132	शनि	13/07/2141		00/00/0000
राहु	31/08/2106	गुरु	13/07/2122	शनि	01/07/2133	बुध	12/12/2142		00/00/0000
गुरु	07/08/2107	शनि	12/09/2125	बुध	07/05/2134	केतु	13/07/2143		00/00/0000
शनि	15/09/2108	बुध	13/07/2128	केतु	12/09/2134	शुक्र	13/03/2145		00/00/0000
बुध	12/09/2109	केतु	12/09/2129	शुक्र	12/09/2135	सूर्य	12/09/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 9 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद के प्रथम चरण में कुंभ लग्न, मेष नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण में हुआ था। समन्वित जन्म लग्नादि आकृति से यह निर्दिष्ट हो रहा है कि आपका जीवन सुखद रहेगा। ऐसी आशा है कि आप पर जन्म लग्न का प्रभाव उत्तम प्रकार पड़ेगा तथा आप प्रभावित होकर प्रतिरक्षा की सेवा में उच्च स्तर तक उन्नति कर सकते हैं।

आप में सभी प्रकार के नेतृत्व करने के गुण-विद्यमान हैं। परंतु आपका हृदय अर्थात् आपका स्वभाव गर्म नहीं है। आपका आचरण प्रतिकूल नहीं है। आप में मानवता है तथा आप सदैव दूसरों के लिए सहायक हैं। आप स्वभाव से वाचाल हैं। आप अपने शिष्यों पर अच्छा प्रभाव रखते हो एवं आप अपने सगे संबंधियों एवं मित्र से युक्त रह कर प्रसन्न रहते हो।

आप एक विश्वासी और आलस्य से मुक्त रहते हो। आप अत्यंत संवेदनशील एवं शीघ्रता पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने वाले हो। आप अपना दायित्व सुव्यवस्थित ढंग से शीघ्रता पूर्वक निभाते हैं। आप सपत्नीक अपना अधिकार एवं संपत्ति को ध्यान में रख कर धन उर्पाजन हेतु प्रयत्नशील रहते हो। आप धनी बनने में सफल हो जाओगे।

आप संवेदनशील विषयों के प्रति रूचिवान रहते हो। प्रस्तुत छवि के अनुसार आप स्वभाव से एक दम परम्परागत प्राणी लगते हो। आप विवेकशील एवं स्वच्छ हृदय के प्राणी हों। आप किसी भी तथ्य की भली प्रकार गहराई से अध्ययन करते हो एवं नवीनतम प्रक्रिया तथा प्रभावशाली ढंग से उस कार्य को संचालित करते हो। आप में एक अच्छे नेतृत्व के गुण विद्यमान हैं। आप इस स्रोत से क्या लाभ या हानि होगा। इसका परीक्षण कर सकते हों।

आप अपनी पत्नी के साथ मात्र संभोगात्मक भावना से ही व्यवहार नहीं करते परंतु सर्वथा अपनी पत्नी की अभिव्यक्ति को समझने एवं उसकी राय को महत्त्व देने के लिए तत्पर रहते हो।

आप एक सुव्यवस्थित पारिवारिक जीवन बिताना चाहते हैं तथा पत्नी एवं बच्चों के सुखमय जीवन व्यतीत करने के लिए बहुत अधिक मात्रा में सुव्यवस्था करते हो।

आप अपने कार्य व्यवसाय हेतु संबंधित कार्य यथा भाषा कार्य, धर्म दर्शन शास्त्र, ज्योतिषीय, शिक्षण कार्य, वकालत एवं राजनीति कार्य में से किसी कार्य को अपनी इच्छानुसार चयन कर सकते हो।

किसी भी प्रकार से आपका स्वास्थ्य सदैव उत्तम रहेगा तथा आप इसें किसी भी प्रकार से आपत्तिजनक नहीं समझते हो। आप उत्तम स्वास्थ्य बनाए रखेंगे। परंतु जब आपकी आयु अधिक हो जाएगी तब ऐसा हो सकता है कि जॉनडिस, रक्तचाप, हृदय संबंधी दिक्कतें से आप अद्योगति को प्राप्त हो जाएं। इन रोगादिक कारणों से यह सुनिश्चित नहीं है कि आप प्रभावित हो जाएं। परंतु यह विचारणीय है कि इन संभावनाओं के प्रति सुरक्षात्मक कदम समय से पूर्व उठाना चाहिए।

अतएव कुंभ राशीय प्रभाव के अनुसार बार-बार सर्दी जुकाम, अथवा शीत जनित प्रभाव के रोगादि से संभलकर रहना चाहिए तथा इन बिंदुओं पर चिकित्सक की राय सदैव लेते रहना चाहिए। आपको सर्वथा विश्रांति ग्रहण भी करते रहना चाहिए।

आप उत्तेजनात्मक प्रवृति के उच्च स्तरीय साहसी व्यक्ति हैं। आप अनेक मित्रों से भली प्रकार संबंधित रहते हैं तथा आपके लिए उनका संबंध उत्तम है। अतएव आपमें ऐसी आदत नहीं है कि आप अन्यों के साथ किसी भी प्रकार का भ्रामक आचरण करें। आप सुविख्यात हैं। परंतु आपको सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि कुछ व्यक्ति आपकों जन सामान्य के साथ अधिक संलग्न समझकर आपकें विरूद्ध अविश्वासनीयता का प्रदर्शन कर सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में उत्तम एवं महत्वपूर्ण रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु हर दशा में नारंगी रंग, हरा एवं ब्लू रंग अव्यवहरणीय है।